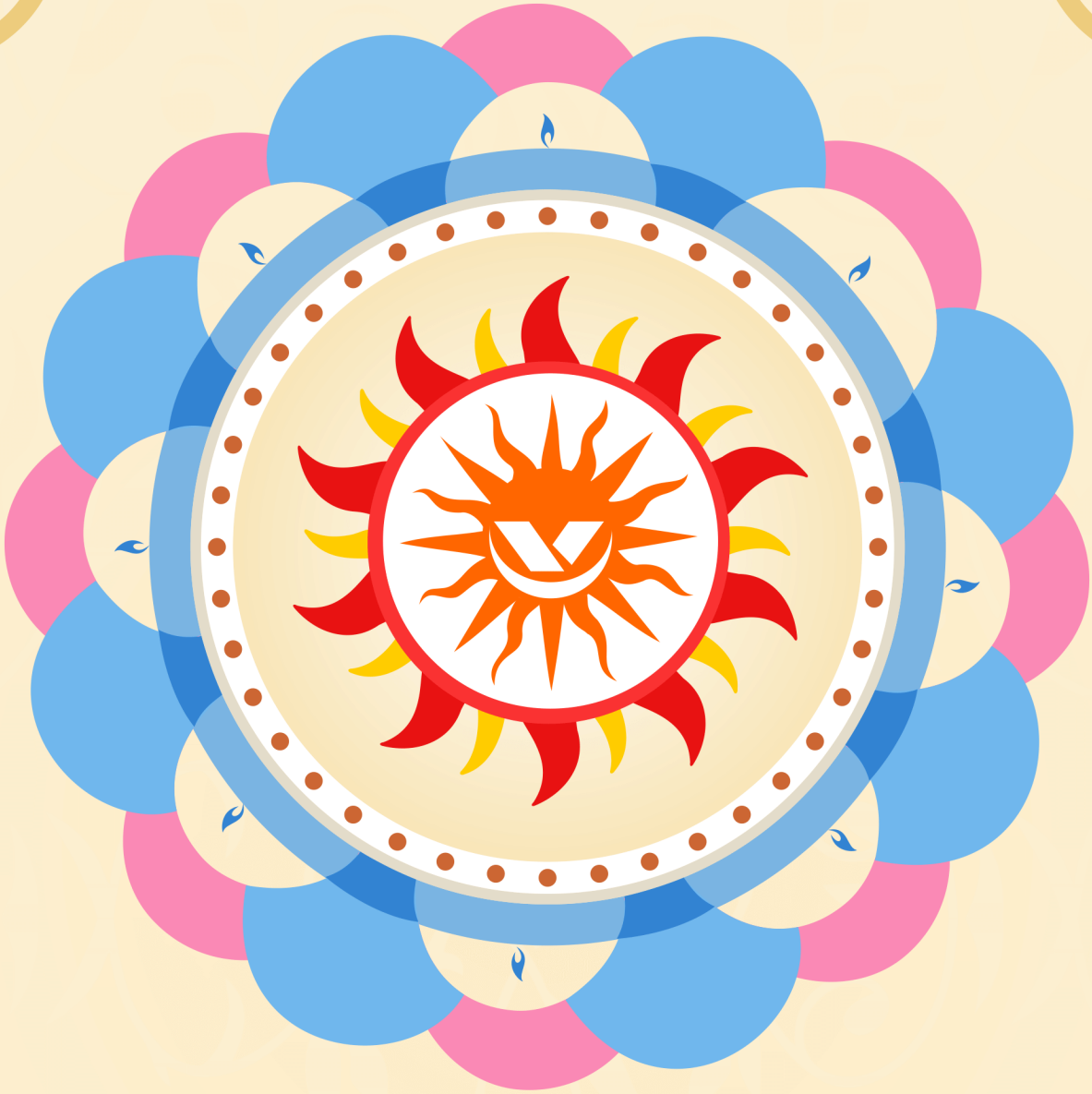

Name: Sample, DOB: 18:10:2005

TOB: 01:45:00, PLACE: Ballia ()

Mindsutra Software Technologies
www.mindsutra.com
Ph: 9818193410

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्पेयं महाद्युतिम्। तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्। नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्। कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्। सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम्। बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्। सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्। सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्। रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम्।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।।

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूं। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरुप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूं। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूं। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूं। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूं। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक्र को मैं प्रणाम करता हूं। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छाया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूं। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूं। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूं। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्री–पुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

ग्रह स्थिती वर्षफल

Varhphal Years: 17 (2022-2023) Varhphal Date: 18:10:2022, Time: 10:21Hrs

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	सिहं	04:11	मघा(2)	
सूर्य	तुला	00:37	चित्रा (3)	**नीच राशि**
चन्द्रमा	मेष	05:00	अश्विनी (2)	**सम राशि**
मंगल(व.)	मेष	27:34	कृतिका (1)	**स्व राशि**
बुध	तुला	19:34	स्वाति (4)	**मित्र राशि**
बृहस्पति(अ.)	तुला	04:15	चित्रा (4)	**शत्रु राशि**
शुक्र	वृश्चिक	16:48	ज्येष्ठा (1)	**सम राशि**
शनि	कक्र	16:13	पुष्य (4)	**स्व नक्षत्र**
राहु(व.)	मीन	19:02	रेवती (1)	**सम राशि**
केतु(व.)	कन्या	19:02	हस्ता (3)	**सम राशि**
हर्षल(व.)	कुम्भ	13:15	शतभिषा (2)	.....
नेपच्यून(व.)	मकर	20:54	श्रवण (4)	.....
प्लूटो	वृश्चिक	28:25	ज्येष्ठा (4)	.....

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	वृश्चि	28:09	मघा(4)	
सूर्य	तुला	00:37	चित्रा (3)	नीच राशि
चन्द्रमा	कर्क	05:52	पुष्य (1)	स्व राशि
मंगल	मिथुन	00:23	मृगशिर (3)	स्व राशि
बुध	कन्या	16:22	हस्ता (2)	उच्च राशि
बृहस्पति(व.)	मीन	06:49	उत्तरभाद्र (2)	स्व राशि
शुक्र(अ.)	कन्या	29:24	चित्रा (2)	नीच राशि
शनि(व.)	मकर	24:26	धनिष्ठा (1)	स्व राशि
राहु(व.)	मेष	19:59	भरणी (2)	शत्रु राशि
केतु(व.)	तुला	19:59	स्वाति (4)	शत्रु राशि
हर्षल(व.)	मेष	23:37	भरणी (4)	....
नेपच्यून(व.)	कुंभ	29:02	पूर्वाभाद (3)	....
प्लूटो	मकर	01:57	उत्तरा (2)	....

लग्न कुण्डली

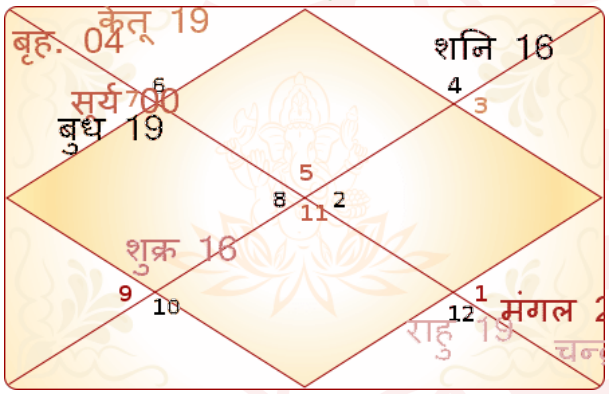

चन्द्र कुण्डली

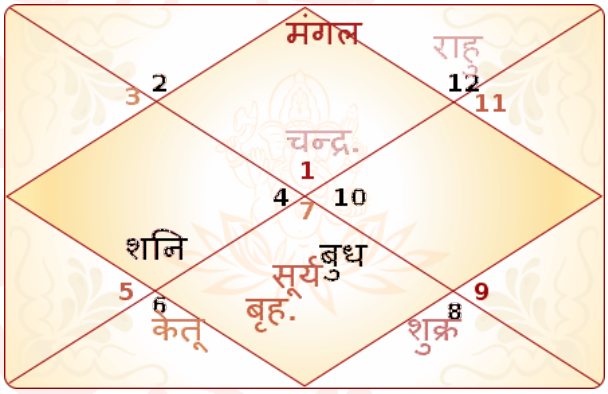

लग्न कुण्डली (वर्षफल)

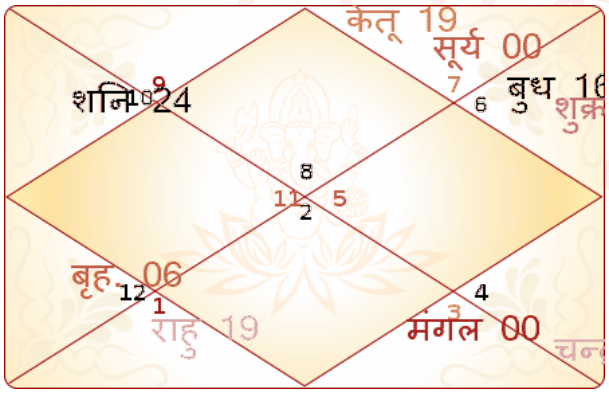

चन्द्र कुण्डली (वर्षफल)

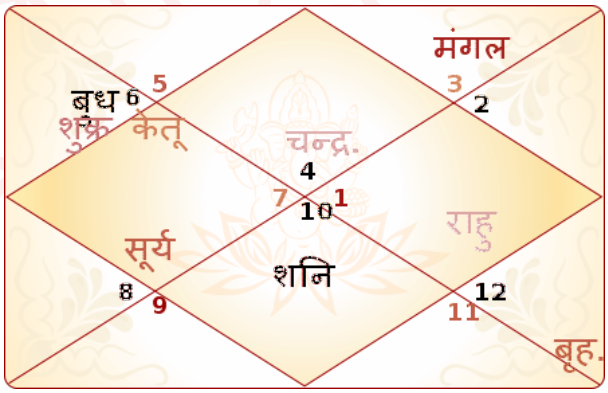

द्वादश वर्ग कुण्डली

लग्न कुण्डली

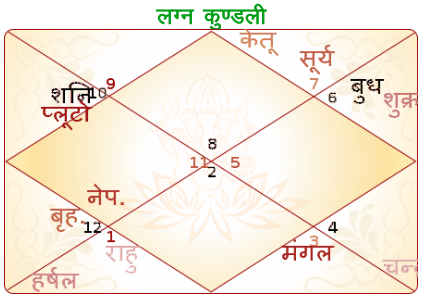

होरा कुण्डली

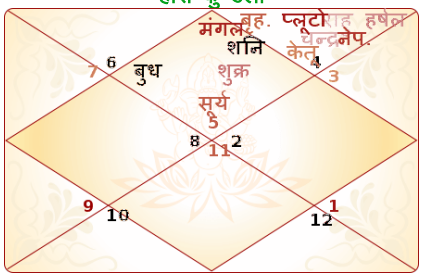

द्रेष्काण कुण्डली

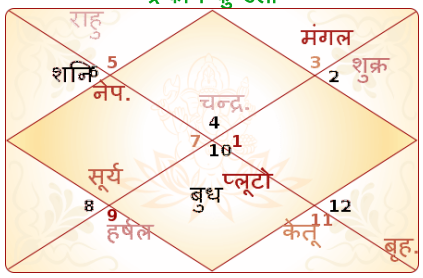

चतुर्थांश कुण्डली

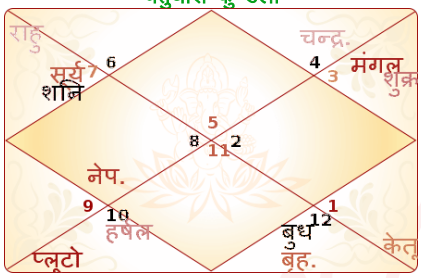

पंचमांश कुण्डली

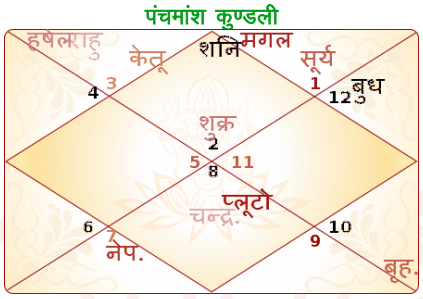

षष्टमांश कुण्डली

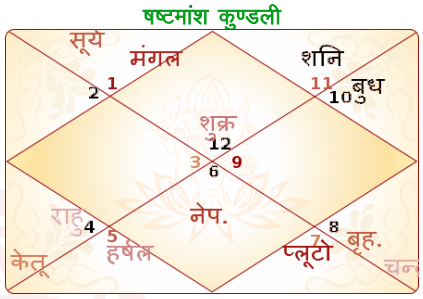

सप्तमांश कुण्डली

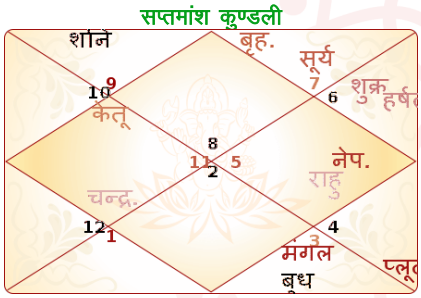

अष्टमांश कुण्डली

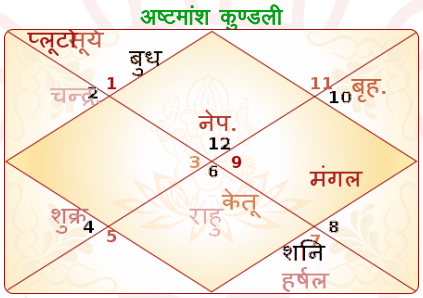

नवांश कुण्डली

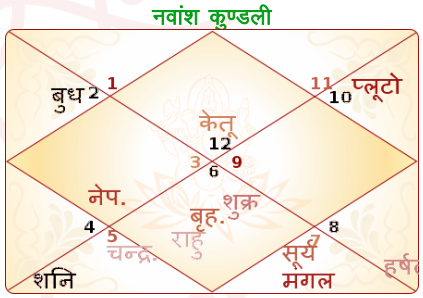

चर्तुविशांश कुण्डली

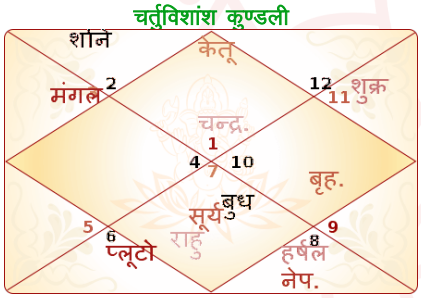

एकादशांश कुण्डली

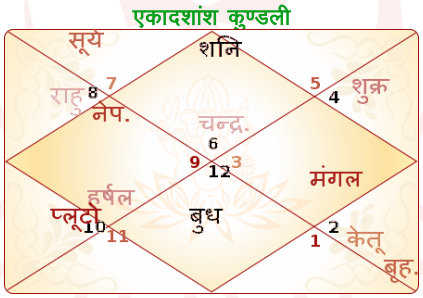

द्वादशांश कुण्डली

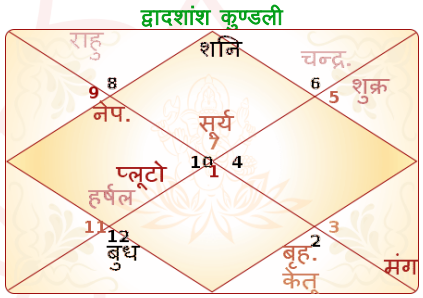

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
सूर्य	....	गु.शत्रु	प्र.प्रेम	सम	सम	सम	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	प्र.शत्रु
चंद्र	गु.शत्रु	....	सम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	गु.शत्रु	गु.शत्रु
मंगळ	प्र.प्रेम	सम	....	गु.शत्रु	गु.शत्रु	गु.शत्रु	सम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम
बुध	सम	गु.प्रेम	गु.शत्रु	....	प्र.शत्रु	प्र.शत्रु	प्र.प्रेम	सम	सम
गुरु	सम	प्र.प्रेम	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	....	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	सम	सम
शुक्र	सम	गु.प्रेम	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	प्र.शत्रु	....	प्र.प्रेम	सम	सम
शनि	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	सम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	....	गु.शत्रु	गु.शत्रु
राहू	प्र.शत्रु	गु.शत्रु	गु.प्रेम	सम	सम	सम	गु.शत्रु	....	प्र.शत्रु
केतु	प्र.शत्रु	गु.शत्रु	प्र.प्रेम	सम	सम	सम	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	....

प्र.प्रेमः–प्रकट प्रेम दृष्टि ,गु.प्रेमः–गुप्त प्रेम दृष्टि ,प्र.शत्रुः–प्रकट शत्रु दृष्टि ,गु.शत्रुः–गुप्त शत्रु दृष्टि ,समः–सम दृष्टि ,

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

Varhphal Years: 17 (2022-2023) Varhphal Date: 18:10:2022, Time: 10:21Hrs

पंचवर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	क्षेत्र बल	15.0	30.0	7.5	30.0	30.0	7.5	30.0
2	उच्च बल	1.04	13.01	6.4	19.85	6.87	0.27	9.51
3	हद्दा बल	3.75	7.5	3.75	3.75	3.75	11.25	15.0
4	द्रेक्कन बल	2.5	7.5	2.5	2.5	7.5	2.5	2.5
5	नवांश बल	2.5	1.25	1.25	1.25	1.25	1.25	1.25
	योग		तुलनात्मक बल	साधारण	बलशाली	साधारण	बलशाली	बलशाली

द्वादश वर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	राशि बल	0	+2	0	+2	+2	0	+2
2	होरा बल	+2	+2	-1	0	-1	0	0
3	द्रेक्कन बल	0	+2	0	-1	+2	+2	-1
4	चतुर्थांशं बल	0	+2	0	0	+2	0	-1
5	पंचमांशं बल	-1	0	+2	0	-1	+2	-1
6	षष्टांशं बल	-1	0	+2	-1	0	0	+2
7	सप्तमांशं बल	0	0	0	+2	0	0	-1
8	अष्टमांशं बल	-1	-1	0	0	-1	-1	-1
9	नवांशं बल	0	0	0	0	0	0	0
10	दसांशं बल	0	0	0	0	-1	-1	-1
11	एकादसांशं बल	0	-1	0	0	0	-1	-1
12	द्ववादशांशं बल	0	-1	0	0	0	0	-1
	योग	-1	+5	+3	+2	+2	+1	-4
	तुलनात्मक बल	सम	बहुत अच्छा	अच्छा	साधारण	साधारण	साधारण	बुरा

हर्ष बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	स्थान बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
2	क्षेत्र बल	0.0	5.0	0.0	5.0	5.0	0.0	5.0
3	ओज–युग्म बल	5.0	5.0	0.0	0.0	5.0	0.0	5.0
4	दिवा–रात्रि बल	5.0	0.0	5.0	0.0	5.0	0.0	0.0
	योग	10	10	5	5	15	0	10
	तुलनात्मक बल	मध्यबली	मध्यबली	अल्पबली	अल्पबली	पर्णबली	निर्बबली	मध्यबली

Varhphal Years: 17 (2022-2023) Varhphal Date: 18:10:2022, Time: 10:21Hrs

मुद्दा योगिनी दशा

दशा	अवधि	से
भभद्रिका (बुध)	0.0 y.1.0 m.21 d.	18:10:2022
उल्का (शनि)	0.0 y.2.0 m.0 d.	08:12:2022
सिद्धा (शुक्र)	0.0 y.2.0 m.11 d.	06:02:2023
संकटा (शनि)	0.0 y.2.0 m.20 d.	18:04:2023
मंगला (चन्द्रमा)	0.0 y.0.0 m.10 d.	09:07:2023
पिगंला (सूर्य)	0.0 y.0.0 m.20 d.	19:07:2023
धान्य (वृहस्पति)	0.0 y.1.0 m.0 d.	08:08:2023
मंगला (चन्द्रमा)	0.0 y.0.0 m.10 d.	07:09:2023

मुद्दा षोडशोत्तरी दशा

दशा	अवधि	से
गुरु	0.0 y.1.0 m.11 d.	18:10:2022
शनि	0.0 y.1.0 m.14 d.	28:11:2022
केतु	0.0 y.1.0 m.17 d.	11:01:2023
चंद्र	0.0 y.1.0 m.20 d.	27:02:2023
बुध	0.0 y.1.0 m.23 d.	18:04:2023
शुक्र	0.0 y.1.0 m.26 d.	11:06:2023
सूर्य	0.0 y.1.0 m.5 d.	07:08:2023
मंगल	0.0 y.1.0 m.8 d.	10:09:2023

पत्ययनी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	मंगल	0.0 y.0.0 m.5 d.	18:10:2022
2	सूर्य	0.0 y.0.0 m.3 d.	23:10:2022
3	चंद्र	0.0 y.2.0 m.5 d.	26:10:2022
4	गुरु	0.0 y.0.0 m.12 d.	30:12:2022
5	बुध	0.0 y.3.0 m.27 d.	11:01:2023
6	शनि	0.0 y.3.0 m.9 d.	09:05:2023
7	लग्न	0.0 y.1.0 m.16 d.	17:08:2023
8	शुक्र	0.0 y.0.0 m.16 d.	02:10:2023

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	बुध	0.0 y.1.0 m.21 d.	18:10:2022
2	केतु	0.0 y.0.0 m.21 d.	09:12:2022
3	शुक्र	0.0 y.2.0 m.0 d.	30:12:2022
4	सूर्य	0.0 y.0.0 m.19 d.	01:03:2023
5	चंद्र	0.0 y.1.0 m.0 d.	19:03:2023
6	मंगल	0.0 y.0.0 m.21 d.	18:04:2023
7	राहू	0.0 y.1.0 m.24 d.	10:05:2023
8	गुरु	0.0 y.1.0 m.19 d.	03:07:2023
9	शनि	0.0 y.1.0 m.27 d.	21:08:2023

वर्ष जैमिनी चर दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	वृश्चिक	0.0 y.0.0 m.18 d.	18:10:2022
2	मिथुन	0.0 y.0.0 m.11 d.	04:11:2022
3	मकर	0.0 y.1.0 m.12 d.	14:11:2022
4	सिंह	0.0 y.1.0 m.5 d.	26:12:2022
5	मीन	0.0 y.1.0 m.12 d.	30:01:2023
6	तुला	0.0 y.1.0 m.8 d.	13:03:2023
7	वृष	0.0 y.0.0 m.14 d.	20:04:2023
8	धनु	0.0 y.0.0 m.11 d.	04:05:2023
9	कर्क	0.0 y.1.0 m.12 d.	14:05:2023
10	कुंभ	0.0 y.1.0 m.8 d.	25:06:2023
11	कन्या	0.0 y.1.0 m.12 d.	02:08:2023
12	मेष	0.0 y.1.0 m.5 d.	13:09:2023

पत्ययनी दशाफल

Varhphal Years: 17 (2022-2023) Varhphal Date: 18:10:2022, 10:21Hrs

मंगल दशा

18:10:2022-22:10:2022

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः मंगल की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। हालांकि आपको अपने कार्यस्थल पर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। या फिर आप अपने सगे या चचेरे भाई या पड़ोसी के साथ संपत्ति–विवाद में फंस सकते हैं, जिसके कारण आप झुंझलाहट महसूस कर सकते हैं।

सूर्य दशा

23:10:2022-25:10:2022

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य नीचस्थ या राहु (या केतु) के समीप होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। सूर्य की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सामान्य तौर पर अपने सभी मामलों में सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। इस अवधि के दौरान किसी भी शुभ या महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना फलदायक नहीं हो सकता है। आपके कार्यस्थल की स्थिति थोड़ी समस्याजनक हो सकती है एवं आपके अपने कुछ सहकर्मियों या वरिष्ठों से विवाद हो सकते हैं।

चंद्र दशा

26:10:2022-29:12:2022

इस वर्ष आपकी वर्षफल कुण्डली में, चंद्रमा उच्चस्थ या अपनी राशि में है एवं यह ग्रसित नहीं है। चंद्रमा की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपकी आय एवं अर्जित लाभ में वृद्धि होगी एवं आपका घरेलू जीवन सुखमय व शांतिपूर्ण होगा। आप आभूषण व कुछ सम्पत्ति खरीदने के लिए अच्छी रकम खर्च कर सकते हैं। आप अपने संबंधियों व मित्रों से मिलने के लिए कुछ छोटी यात्राएं कर सकते हैं। आप पिकनिक व भ्रमण का भी आनन्द प्राप्त कर सकते हैं।

गुरु दशा

30:12:2022-10:01:2023

वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। गुरु की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको अपने वरिष्ठों एवं अधिकारियों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आप उच्च पद वाले लोगों से मित्रता स्थापित करेंगे एवं आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपकी आय और अर्जित लाभ में वृद्धि होगी एवं आपका घरेलू जीवन सुखमय व शांतिपूर्ण व्यतीत होगा। आपको सभी प्रकार से संतुष्टि प्राप्त होगी। धर्म और पवित्र प्राचीन गंथों के अध्ययन में आपकी रूचि बढ़ेगी। आप धर्मपरायण लोगों से मिलेंगे एवं धार्मिक प्रवचन सुनेंगे। यदि आप व्यापारी हैं तो यह अवधि

आपके लिए उपयोगी, सहजतापूर्ण व लाभदायक होगी।

बुध दशा

11:01:2023-08:05:2023

इस वर्ष आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध उच्चस्थ या अपनी राशि में है एवं यह ग्रसित अथवा अस्त होने के कारण दूषित नहीं है। बुध की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपकी आय एवं अर्जित लाभ में वृद्धि होगी एवं आपका घरेलू जीवन सुखमय व शांतिपूर्ण होगा। यदि आप शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में संलग्न हैं तो आप अत्यंत उत्तम प्रगति करेंगे। विज्ञान के विषयों के ज्ञान एवं पवित्र प्राचीन ग्रन्थों के अध्ययन में आपकी रूचि बढ़ेगी। आपके सगे–संबंधियों का आपके प्रति अनुकूल झूकाव होगा एवं आवश्यकता पड़ने पर आपको किसी प्रकार की मदद व सहायता देने के लिए तैयार रहेंगे। यदि आप व्यापार में हैं तो यह अवधि आपके लिए लाभदायक होगी।

शनि दशा

09:05:2023-16:08:2023

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। शनि की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको नऐ परिचितों एवं विदेशी स्रोतों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आपका परिचय कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों के साथ हो सकता है, जिसके कारण आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपकी आय में वृद्धि होगी एवं आपके स्तर में सुधार होगा। आपमें संतोष की भावना विकसित होगी, किन्तु अपने प्रयुक्त किए जाने वाले साधनों/उपायों पर आपको नजर रखना चाहिए। साथी आपको सावधान व सतक्र रहना चाहिए, क्योंकि आपके किसी दुर्घटना का सामना करने और/या वातमय रोगों से पीड़ित होने का खतरा है।

लग्न दशा

17:08:2023-01:10:2023

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में अथवा नीचस्थ नहीं है। किन्तु यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते हैं। अतः लग्न की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना या अवसर के होगी। हालांकि आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ हद तक बिगड़ सकती है। यद्यपि सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, फिर भी आपके वरिष्ठ/अधिकारी आपको दबाने का प्रयास कर सकते हैं एवं तक्रसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं। या फिर आपको अन्यायपूर्वक बहुत छोटी अथवा बिना किसी गलती के दोषी ठहराया जा सकता है।

शुक्र दशा

02:10:2023-17:10:2023

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। शुक्र की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व

सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आपके कुछ पारिवारिक सदस्य– विशेषकर आपकी पत्नी– का बिगड़ता हुआ स्वास्थ्य आपको कुछ चिन्तित कर सकता है। अथाव धन के अवरूद्ध होने के कारण आप अपने वचनों को पूरा करने में कठिनाई का सामना कर सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत करना अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है।

Disclaimer

Aiming excellence, Exploring possibilities

The calculations, future predictions, and remedies given in this Astrological Report are all based on the principles of either on Vedic Astrology, KP System, Jaimini or Lal Kitab, Numerology which are the result of consulting and engaging highly learned astrologers and astrology practitioners. This Report will prove to be highly useful for astrologers and practitioners of Astrology. We earnestly request the common users of this Report that they should not follow the Lal Kitab and or other prediction/remedies given in this Report without consulting a learned astrologer or an expert on this subject. Failing to do so might lead you to unexpected results which may or may not be favorable towards your well-being.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies makes no warranty about the accuracy of any data contained herein, and the native is advised to not to take as conclusive any prediction generated for him. If you follow the advice given in this report you do so at your own risk, ww.webjyotishi.com/ MindSutra Software Technologies or any of its associates are not responsible for the consequence of any event or action.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies shall not stand liable for any damages or harm done.

All disputes are subject to New Delhi Jurisdiction only.

Wishing the very best – prosperity and happiness.